# सुलेख प्रतियोगिता

२०२३-२४

I



नाम - कोमल कार्की
कक्षा - ५ अ'+१
अनुक्रमाँक - ५
सदन - ओम

शुद्ध लेखन - 02/02 अच्छा कार्य

PAGE No.
DATE

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है। लगभग छह सौ साल पहले जर्मनी में ग्रेफाइट चट्टानें मिली थीं, जब यदि उनमें से कोई भी टुकड़ा कागज या पत्थर पर लिखा होता, तो निशान या धारियाँ बन जातीं। करीब 150 साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रेफाइट की एक चट्टान मिली। सबसे पहले चरवाहों को उनके बारे में पता चला। वे ग्रेफाइट चट्टान का एक टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ों को चिन्हित करते थे। इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान की गई। फ्रांस के निकोलस जेटकांटे और ऑस्ट्रेलिया के जोसेफ हडथरमुथ पेंसिल बनाने में सफल होने वाले पहले व्यक्ति थे। अब इतनी खूबसूरत पेंसिलें बनाई जाती हैं कि बच्चे उन्हें लेने के लिए उठ खड़े होते हैं। अब पेंसिल पर मुस्कुराते और खेलते हुए सुंदर बच्चों की तस्वीरें हैं। कुछ में पक्षियों और जानवरों के चित्र भी हैं, वे इतने रंगीन हैं कि उन्हें हाथ में लिए बिना आराम नहीं किया जा सकता है।

जंगल में एक गधा चर रहा था। जंगल के किनारे पर उसके मालिक हरिया का घर था। वह प्रतिदिन जंगल में आकर और घास खाकर बहुत आनंद लेता था। उसे वहां कभी कोई खतरा महसूस नहीं हुआ। लेकिन एक दिन अचानक उसे पास की झाड़ियों में सरसराहट सुनाई दी। उसने सिर उठाया और देखा कि उसका जीवन सुखी है, उनके सामने एक बाघ खड़ा था जो झाड़ियों से निकल रहा था। गधे ने सोचा कि आज उसे मार दिया गया है। लेकिन पुरुषों की संगति में रहकर वह भी बहुत चालाक हो गया था। उसने डरना बंद कर दिया और लंगड़ाकर चलने लगा।

✓ The Good Paper

मनुष्य का अपने कर्म पर अधिकार है। उसे कर्म के अनुसार फल मिलता है। अच्छे कर्म करने से भी अच्छा फल मिलता है। बुरे कर्मों का परिणाम बुरा ही होता है। कार्य करना बीच बोने के समान है। जैसे बीज होते हैं, वैसे ही वृक्ष और फल ---!

समाप्त

Dt.
Pg.

# लेखन प्रतियोगिता
## 2023-24

II

नाम - सौरव कार्की

कक्षा - 3 'अ' 1

विषय - हिन्दी

दिनांक - 06/जून/23

सदन - नन्दाकोट

## द्वितीय चरण

शुद्ध लेखन - 02 / 1½

WOW!

Dt.

Pg.

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है, लगभग छह सौ साल पहले जर्मनी में ग्रेफाइट चट्टानें मिली थीं, यदि उनमें से कोई भी टुकड़ा कागज या पत्थर पर लिखा होता, तो निशान या धारियाँ बन जातीं, करीब 150 साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रेफाइट की एक चट्टान मिली, सबसे पहले चरवाहों को उनके बारे में पता चला, वे ग्रेफाइट चट्टान का एक टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ों को चिन्हित करते थे, इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान की गई, फ्रांस के

WOW!

# सुलेख प्रतियोगिता

| | |
|---|---|
| नाम - तनुजा भट्ट | सदन - पंचाचूली |
| कक्षा - ५ 'ब' | III ☆ |
| विषय - हिन्दी | |
| दिनांक - ६/६/२३ | |

शुद्ध लेखन - 12/12

अच्छा कार्य

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है, लगभग छह सौ साल पहले जर्मनी में ग्रेफाइट चट्टानें मिली थीं, यदि उनमें से कोई भी टुकड़ा कागज या पत्थर पर लिखा होता, तो निशान या धारियाँ बन जातीं, करीब १५५० साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रेफाइट की एक चट्टान मिली, सबसे पहले चरवाहों को उनके बारे में पता चला, वे ग्रेफाइट चट्टान का एक टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ों को चिन्हित करते थे, इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान की गई, फ्रांस के निकोलस जेटकांटे और ऑस्ट्रेलिया के जोसेफ हडथरमुथ पेंसिल बनाने में सफल होने वाले पहले व्यक्ति थे, अब इतनी खूबसूरत पेंसिलें बनाई जाती हैं कि बच्चे उन्हें लेने के लिए उठ खड़े होते हैं, अब पेंसिल पर मुस्कुराते और खेलते हुए सुंदर बच्चों की तस्वीरें हैं, कुछ में पक्षियों और जानवरों के चित्र भी हैं, वे इतने रंगीन हैं कि उन्हें हाथ में लिए बिना आराम नहीं किया जा सकता है।

जंगल में एक गधा चर रहा था, जंगल के किनारे पर उसके मालिक हरिया का घर था, वह प्रतिदिन जंगल में आकर और घास खाकर बहुत आनंद लेता था, उसे वहां कभी कोई खतरा महसूस नहीं हुआ, लेकिन एक दिन अचानक उसे पास की झाड़ियों में सरसराहट सुनाई दी, उसने सिर

उठाया और देखा कि उसका जीवन सुखी है, उनके सामने एक बाघ खड़ा था जो झाड़ियों से निक -ल रहा था, गधे ने सोचा कि आज उसे मार दिया गया है, लेकिन पुरुषों की संगति में रहकर वह भी बहुत चालाक हो गया था, उसने डरना बंद कर दिया और लंगड़ाकर चलने लगा,

मनुष्य का अपने कर्म पर अधिकार है, उसे कर्म के अनुसार फल मिलता है, अच्छे कर्म करने से भी अच्छा फल मिलता है, बुरे कर्मों का परिणाम बुरा ही होता है, कार्य करना बीज बोने के समान है, जैसे बीज होते हैं वैसे ही वृक्ष और फल भी होते हैं, एक कहावत है कि 'बबूल के पेड़ के आम कहाँ खाते हैं ? इसलिए बड़े से बड़े अपराधी

समाप्त.....

09 JUNE 23

# ENGLISH WRITING COMEPTITION 2023 - 24

II

NAME - HARSHIKA PANT
CLASS - 5th 'A'1
ROLL.NO - 3
HOUSE - NANDAKOT

## PHRASE 2

1½ / 02

09/06/23

Bears are found in Europe, Asia, Africa and America. They are massively built, with short tails and thick legs. Bears are not really carnivores. They eat almost anything, the chief exception in the polar bear, which in its natural states lives on fish and seals. However, in captivity, they seem to enjoy meat, vegetables, fruits, milk, rice and porridge. Bears are not quite as dangerous as people imagine them it is like most animals; they will do their best to avoid human beings. They have a special sense that is eyesight to see things.

The smile is the best tonic for our mind and body. It takes thirteen muscles to smile, but forty-three to be angry. So, it is easier to smile and difficult to be angry. To be cheerful we have to create positive thoughts. On the other hand, if we constantly think about negative things, we fell unhappy. So, the best way to avoid a negative idea is to replace it with a positive one. When we are relaxed in bed, we should practise putting some cheerful thoughts.

Once a cunning jackal jumped into a big tub of blue dye. "I am king," he said. All the animals, big and small, believed him and bowed before him.

The clever jackal smiled. Now he was the most powerful animal in the forest. He was proud to be a king.

Once, the jackal woke up in the middle of the night. The jackals in the forest were howling at the full moon in the sky. The blue jackal forgot he was a king. He, too, began to howl. "Hu... aah! Hu... aah!" he cried. The animals ran out to see. "He is not a king. He is just a jackal!" they shouted. They rushed to attack him "Stop, stop! I am sorry I tricked you. Please do not kill me!" said the blue jackal. The animals forgave him, but only after giving the jackal a good beating.

FINISH

# WRITING COMPETITION 2023-24

I

NAME - SAURAV KARKI

CLASS - 3'A'1

SUBJECT - ENGLISH

DATE - 09/JUNE/23

HOUSE - NANDAKOT

$1\frac{1}{2}$ / 02

09/06/23

Bears are found in Europe, Asia, Africa and America. They are massively built, with short tails and thick legs. Bear are not really carnivores. They eat almost anything, the chief exception in the polar bear, which in its natural state lives on fish and seals. However, in captivity, they seen to enjoy meat, vegetables, fruits, milk, rice and porridge. Bears are not.

To be cheerful, we have to create positive thoughts. On the other hand, if we constantly think about negati-ve things, we feel unhappy. So, the best way to avoid a negative idia is to replace it with a positive one. When we are relaxed in bed, we shoud practise putting some cheerful thoughts.

Once a cunning jackal jumped

# WRITING COMPETITION

## 2023-24

NAME - VISHAKA AIRI
CLASS - 5TH A1
ROLL NO - 11 'Eleven'
HOUSE - PANCHAGHULI

## PHASE - 2

1½/02

09/06/23

Bears are found in Europe, ~~Afia~~ Asia, Africa and America. They are massively built, with shor-
-t tails and thick legs. Bears are not really carnivores. They ~~are~~ eat almost anything, the chief exception in the polar bear, which in its nat-
-ural state lives on fish and seals. However, in captivity, they seem to enjoy meat, vegetables, fruits, milk, rice and porridge. Bear are not quite as dangerous as people imagi-
-ne them it is like most animals; they will do their best to avoid hu-
-man beings. They have a special se-
-nse that is eyesight to see things.

The smile is the best tonic for our mind and body. It takes thir-
-teen muscles to smile, but forty-
-three to be angry. so, it is easier to smile and difficult to be angry. To cheerful, we have to create positi-
-ve thoughts. On the other hand, if we constanty think about nagative

to attack him. "Stop; stop! I am sorry I tricked you. Please do not kill me!" said the blue jackal. The animals forgave him, but only g-iving the jackal a good beating

FINISHED...